सफलता 'मंथन' की, क्रमशः .....

सीहोर। कृष्णपाल ग्राम अरनिया के निवासी हैं। इन्होंने मंथन आईटीआई अमलाहा जिला सीहोर में डी.एम. ट्रेड में एडमीशन लिया और 2017 में आईटीआई की परीक्षा उत्तीर्ण की। परीक्षा उत्तीर्ण होने के पश्चात् कृष्णपाल ने अपना स्वयं का बेकरी व्यवसाय चालू किया और अपनी दुकान से अच्छी आमदनी ले रहे हैं। तथा अपने परिवार का भरण-पोषण अच्छे से कर पा रहे हैं। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मंथन आईटीआई के शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए आधार व्यक्त किया है।

जिलों से

● रिपोर्टर

फिल्म रईस की तर्ज पर नाबालिगों से ड्रग्स की तस्करी, पकड़ी गई 2.5 लाख की ब्राउन शुगर

इंदौर। शाहरख खान की फिल्म रईस की तर्ज पर इंदौर में फिर ड्रग्स तस्करी का मामला सामने आया है। यहां एक युवक नाबालिग बच्चों से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करवा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 लड़कों को पकड़ा है, जिसमें से 2 नाबालिग हैं। इन्हें पकड़कर अभिरक्षा में भेजा गया है।

नाबालिगों के पास थी 47 ग्राम ब्राउन शुगर

इंदौर पुलिस को लगातार शहर में मादक पदार्थों के सप्लाई करने की सूचना मुखबिर द्वारा मिल रही थी। जिस पर पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से एक टीम गठित की। टीम द्वारा जांच पड़ताल की जा रही थी। इसी दौरान 2 लड़के बाइक पर आते हुए दिखे। संदिग्ध लगने पर पुलिस टीम ने दोनों युवकों को पकड़ा और उनसे पूछताछ की। इस दौरान पकड़े गए दोनों नाबालिगों के पास से 47 ग्राम अवैध मात्रा मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद हुई। पकड़ी गई ब्राउन शुगर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत तकरीबन ढाई लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। पकड़े गए नाबालिगों ने पूछताछ में इंदौर के बड़ी ग्वालटोली में रहने वाले एक अन्य आरोपी की जानकारी दी है। नाबालिग आरोपियों ने बताया कि उस शख्स ने उन्हें ब्राउन शुगर उपलब्ध करवाई थी और वह उसे ही देने के लिए एक अन्य जगहों पर जा रहे थे। दोनों नाबालिगों के बयान के आधार पर पुलिस ने तस्करी करवाने वाले मुख्य आरोपी को भी हिरासत में ले लिया है और उससे भी पूछताछ की जा रही है।

पकड़ा गया मुख्य आरोपी राजस्थान सहित अन्य जगहों से अवैध तरीके से मादक पदार्थ लेकर आता है। इसके बाद नाबालिग बच्चों के माध्यम से इसकी खरीदी करने वालों को सप्लाई करवाता है। वहीं एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने कहा, इस मामले में पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

मनमानी नहीं चलेगी — निजी अस्पतालों को चिकित्सकीय सेवाओं की टैरिफ लिस्ट लगाना अनिवार्य

प्राइवेट अस्पताल संचालकों की अब नहीं चलेगी मनमानी, रिसेप्शन में लगानी होगी इलाज की रेट लिस्ट

● मंथन संवाददाता

भोपाल। भोपाल के निजी चिकित्सालयों एवं नर्सिंग होम को अस्पताल में दी जा रही चिकित्सकीय सेवाओं की रेट लिस्ट अस्पताल के काउंटर पर प्रमुख स्थल पर प्रदर्शित किए जाने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मप्र के पत्र क्रमांक/विनिमयव/2024 /524 के तारतम्य में सीएमएचओ भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने सभी निजी अस्पतालों को रेट लिस्ट प्रदर्शित करने और दरों में संशोधन होने की लिखित पूर्व सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

सी एम एच ओ भोपाल द्वारा जारी निर्देश

सीएमएचओ भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के तहत रोगियों और उनके परिवारजनों के मांगे जाने पर उन्हें रेट लिस्ट दिखाई जावे। साथ ही इस संबंध की सूचना को भी रजिस्ट्रेशन काउंटर पर प्रदर्शित किया जाना होगा। प्रदर्शित सूची के विपरीत शुल्क लेना रोगियों के अधिकार का हनन माना जाएगा। इंदौर यूथ कांग्रेस में फिर मारपीट, चिंटू चौकसे पर गंभीर आरोप, बीजेपी नेता नरेंद्र सलूजा ने कसा तंज 'कांग्रेसी संस्कृति लात-घूंसों का प्रदर्शन जारी'

चिकित्सकीय सेवाओं की दर सूची प्राप्त करना मरीजों का अधिकार

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने कहा कि मरीजों के अधिकारों और उनके हितों का संरक्षण करना शासन की प्राथमिकता है। अस्पताल प्रबंधन से चिकित्सकीय सेवाओं की दर सूची प्राप्त करना मरीजों का अधिकार है। अस्पताल प्रबंधन का दायित्व है कि उन्हें दर सूची उपलब्ध करवाई जावे।

तोड़ा नियम होगी कार्रवाई : जिले में संचालित सभी अस्पतालों और नर्सिंग होम के नियमित निरीक्षण के दौरान लिस्ट के प्रदर्शित होने की जांच की जाएगी। ऐसा न पाए जाने पर संबंधित निजी अस्पताल के विरुद्ध मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 एवं अधिनियम 1997 (यथा संशोधित) 2021 के प्रावधानों के तहत समुचित कार्रवाई की जाएगी।

पानीपुरी बेचने वाला बन गया गांजा तस्कर, कहानी सुन पुलिस भी हुई हैरान

भोपाल। भोपाल पुलिस ने अवधपुरी में गांजा बेचते सुशील नामक युवक को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने बताया कि झांसी से भोपाल आकर उसने पानीपुरी का ठेला लगाया, लेकिन नगर निगम की कार्रवाई से परेशान होकर यह काम छोड़ दिया। इसके बाद उसने गांजा तस्करी शुरू की।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां गांजा तस्करी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसकी कहानी ने पुलिस को भी हैरान हो गई है। दरअसल, पुलिस ने अवधपुरी इलाके से एक युवक को गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया, लेकिन पूछताछ में उसने गांजा बेचने के पीछे जो कहानी बताई, वो हैरान करने वाली है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी का नाम सुशील है। अवधपुरी पुलिस को सूचना मिली थी कि सुशील नाम का युवक गांजा पैकेट बेचने का काम करता है और गांजा बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने युवक को घेरकर पकड़ लिया। उसके पास से गांजा का एक पैकेट भी बरामद हुआ, जिसके बाद उसे थाने लाया गया।

सिंहस्थ 2028 की कार्य योजना — केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना का देखा प्रेजेंटेशन

अच्छी सोच और बेहतर प्रबंधन के साथ बनाई गई है सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना: केन्द्रीय मंत्री नड्डा

● मंथन संवाददाता

भोपाल। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने रविवार को उज्जैन प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना और तैयारियों संबंधी प्रेजेंटेशन देखा। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने सिंहस्थ के लिये तैयार की गई विकास कार्ययोजना के प्रेजेंटेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस सोच के साथ कार्ययोजना तैयार की गई है उसे जमीन पर उतारा गया तो उज्जैन अपनी संस्कृतिक, धार्मिक, पौराणिक विरासत को संजोने में सफल होगा। उज्जैन अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक विरासत को समेटे हुए हैं। सिंहस्थ के लिये तैयार की गई कार्ययोजना से उज्जैन का पुरातन वैभव पुनः लौटेगा और राजा विक्रमादित्य की अवॅतिका का स्वरूप प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रेजेंटेशन के दौरान कपिला गौशाला और शिप्रा को प्रवाहमान बनाने की कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्ययोजना से कम से कम कीमत में

शिप्रा को अविरल एवं स्वच्छ कर पाएंगे। सिंहस्थ 2028 में शिप्रा नदी में शिप्रा के जल से ही स्नान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौवंश को सुरक्षित करने की कार्ययोजना के संबंध में बताया कि सभी प्रमुख शहरों में 10 हजार गौवंश को रखने के लिए गौशालाएं बनाई जा रही हैं कम से कम खर्चे और कम से कम मानव शक्ति का प्रयोग कर इन गौशालाओं का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार सिंहस्थ में शिप्रा नदी के दोनों ओर बेसाल्ट पत्थर से स्थायी घाटों का निर्माण होगा, जिससे आने वाले समय में क्षिप्रा नदी के स्वरुप को स्थायित्व मिलेगा और आगामी सिंहस्थों में अतिरिक्त घाटों के निर्माण की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सिंहस्थ-2028 तक शिप्रा नदी को प्रवाहमान एवं अविरल करने के लिए कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी मध्यम परियोजना तथा कान्ह एवं क्षिप्रा नदी पर बैराज का निर्माण, बेसाल्ट से घाटों का निर्माण एवं संबद्ध कार्य किए जा रहे है। कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को उज्जैन शहर में क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकना है, जिससे कि मोक्ष दायिनी क्षिप्रा नदी का जल पवित्र बना रहे। इस परियोजना में ग्राम जमालपुर तहसील उज्जैन में कान्ह नदी पर एक बैराज का निर्माण किया जाना है, जिससे कान्ह नदी के दूषित जल को क्लोज डक्ट के माध्यम से व्यपवर्तित किया जाना है। परियोजना की कुल लम्बाई 30.15 कि.मी. है जिसमे 18.15 कि.मी. लम्बाई में कट एवं कवर द्वारा क्लोज डक्ट का निर्माण होना है तथा 12 किमी लम्बाई में टनल का निर्माण किया जाना है, इसकी कुल लागत राशि रुपये 920 करोड़ है तथा पूर्णता अवधि 36 माह है।

कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण: सेवरखेडी सिलारखेडी मध्यम परियोजना क्षिप्रा नदी को निरंतर प्रवाहमान बनाए रखने के लिए है। परियोजना अंतर्गत ग्राम सेवरखेडी तहसील उज्जैन में क्षिप्रा नदी पर बैराज निर्माण किया जाना है जिससे वर्षा काल के जल का उद्गहन कर ग्राम सिलारखेड़ी तहसील उज्जैन में स्थित सिलारखेडी तालाब में एकत्रित किया जाना प्रस्तावित है।

पेज 1 का शेष

देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, एकनाथ...

क्या बोले आदित्य ठाकरे?: आदित्य ठाकरे ने कहा, 'आज हमने फैसला किया है कि हमारे (महा विकास अघाड़ी) के जीतने वाले विधायक आज शपथ नहीं लेंगे। अगर लोगों का यही मत था, तो लोग बहुत खुश होते और इसका जश्न मनाते, लेकिन लोगों ने इस जश्न को कहीं भी नहीं मनाया। हमें ईवीएम के बारे में शक है।' विधानभवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान आदित्य ठाकरे ने कहा, 'जब कोई सरकार इतने बड़े जनादेश के साथ सत्ता में आता है तो जश्न होते हैं। एक सवाल उठता है कि आखिर इस जनादेश को लोगों ने दिया या ईवीएम और चुनाव आयोग ने।' उन्होंने कहा कि विपक्ष सोलापुर के मलशिरास विधानसभा सीट के अंतर्गत आने वाले मर्कडवडी गांव में लगे कफर्यू और गिरफ्तारियों का भी विरोध कर रहे हैं। यहां गांववालों ने बैलट पेपर के जरिए दोबारा मतदान की मांग रखी थी।

अजित पवार ने किस बात तंज?

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इसे लेकर कहा, 'यहां इस तरह के आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है। उन्हें (विपक्ष) को चुनाव आयोग जाना चाहिए और अगर उन्हें वहां न्याय न मिले तो उन्हें न्यायालय जाना चाहिए।' विपक्ष की तरफ से सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किए जाने को लेकर अजित पवार ने कहा, 'हम नहीं जानते कि विपक्ष आज क्यों सदन का बहिष्कार कर रहा है? लोगों ने वोट डाले हैं और फैसला किया है। अब वॉक आउट करने का कोई मतलब नहीं।'

आदित्य ठाकरे बोले- ईवीएम के रिजल्ट स्वीकार नहीं

महाराष्ट्र विधानसभा के तीन दिन के सत्र में 7 दिसम्बर को नए विधायकों ने शपथ ली। प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने उन्हें शपथ दिलाई। 7 दिसम्बर सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने तीनों नेताओं को विधायक के रूप में शपथ दिलाई। हालांकि इस दौरान शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों ने शपथ लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने ईवीएम पर शक जताया है। शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के जीते हुए विधायकों ने शपथ नहीं ली। उन्होंने कहा कि हमने फैसला किया है कि हमारे (शिवसेना यूबीटी) जीते हुए विधायक शपथ नहीं लेंगे। विधानसभा में हम लोगों ने इसका बायकॉट किया है।

शिवाजी की प्रतिमा पर लगाए नारे

आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर यह लोगों का जनादेश होता तो लोग इसे और जश्न मनाते, लेकिन लोगों ने कहीं भी इस जीत का जश्न नहीं मनाया। हमें ईवीएम पर संदेह है। आदित्य ठाकरे अपनी पार्टी के सभी विधायकों समेत विधानसभा पहुंचे। यहां वे सभी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास पहुंचे। उन्होंने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फूल चढाए। शिवाजी की जयकारे लगाए और फिर सदन के अंदर शपथ न लेने की बात फिर दोहराई।

5 दिसंबर को बनी नई सरकार: 5 दिसंबर को नई सरकार ने शपथ ली, जिसमें देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने, जबकि एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में 40,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 2,000 वीवीआईपी शामिल थे। पीएम मोदी और भाजपा के शीर्ष नेता अमित शाह, जेपी नड्डा और राजनाथ सिंह उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस बड़े अवसर पर 19 राज्यों के मुख्यमंत्री भी पहुंचे थे। विपक्षी महा विकास अघाड़ी के नेता उद्धव ठाकरे और शरद पवार भी इस भव्य समारोह में शामिल हुए। मुकेश अंबानी जैसे उद्योगपति, फिल्मी सितारे और धार्मिक नेता भी आजाद मैदान में मौजूद थे।

भाजपा के नेतृत्व को मिली शानदार जीत

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 235 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल करते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। यह परिणाम भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जो 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी क्रमशः 57 और 41 सीटों के साथ उल्लेखनीय बढ़त हासिल की। जबकि, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को बड़ा झटका लगा, जिसमें कांग्रेस को सिर्फ 16 सीटें मिलीं। इसके गठबंधन सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीतीं, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) को सिर्फ 10 सीटें मिलीं।

बीजेपी की क्या चुनौती?: जानकार मानते हैं कि बीजेपी अभी नहीं चाहते हैं कि मंत्री पद के बंटवारे में शिंदे या पवार को नाराज करना पड़े। विश्लेषक ये भी मानते हैं कि बीजेपी ये ज़रूर चाहेगी कि उसे अपने किसी गठबंधन सहयोगी को छोड़ना नहीं पड़े।राजेंद्र साठे कहते हैं, 'भले ही बीजेपी को 132 सीटें मिली हैं, लेकिन अभी उसके सामने अपनी छवि सुधारने की चुनौती है।' 'बीजेपी इसलिए सबसे बड़ी पार्टी बन जाने के बावजूद भी, आहिस्ता-आहिस्ता ही चलेगी और ये दिखाएगी कि वह अपने गठबंधन सहयोगियों को साथ लेकर चल रही है।' महाराष्ट्र में लगभग 43 मंत्री बनते हैं। 2022 में जब अजित पवार महायुति गठबंधन में शामिल हुए थे, तब उनकी पार्टी को भी नौ मंत्रीपद दिए गए थे। उस समय, बीजेपी के कई नेताओं को ये महसूस हुआ था कि जो मंत्री पद अजित पवार के पास गए हैं, वो बीजेपी के पास रहने चाहिए थे। 'अब बीजेपी बहुमत के क़रीब है, ऐसे में पार्टी के भीतर कई लोगों को ये लग रहा होगा कि अहम मंत्री पद और अधिक से अधिक मंत्रीपद बीजेपी के पास ही रहें।' 'हालांकि, बीजेपी ये बिलकुल नहीं चाहेगी कि उसे शिंदे या अजित पवार को नाराज करना पड़े।'प्रेस वार्ता के दौरान जब पत्रकारों ने एकनाथ शिंदे से उप-मुख्यमंत्री की शपथ लेने को लेकर सवाल पूछा था, तब शिंदे ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया था। लेकिन अजित पवार बोल पड़े थे, 'मैं तो शपथ लेने जा रहा हूं।' विश्लेषक मानते हैं कि मौत्रमंडल में अजित पवार को जो कुछ भी मिलेगा, भले ही वो थोड़ी हिचकिचाहट दिखाएं, लेकिन आख़िरकार वो उसमें ख़ुश हो जाएंगे। साठे कहते हैं, 'राजनीति में आख़िर में आंकड़े ही मायने रखते हैं। मौजूदा स्थिति में एकनाथ शिंदे या अजित पवार मांग करने की स्थिति में नहीं हैं, वो गुजारिश ही कर सकते हैं।'